जयन्त चौधरी
Jayant Chaudhary

सत्यमेव जयते

कौशल विकास और उद्यमशीलता
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं
शिक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार
Minister of State (Independent Charge)
Skill Development and Entrepreneurship;
Minister of State for Education
Government of India

MESSAGE

Teachers' Day carries with it the legacy of India's former President and exemplary educator, Dr. Sarvepalli Radhakrishnan, who showed us that teaching is among the highest forms of service. He believed that teachers shape the very character of society, and that conviction continues to hold true in every classroom even today.

In the present age, when knowledge expands by the minute and technology pushes us into new frontiers, the role of a teacher is irreplaceable. They do more than impart lessons. They give young people the courage to ask questions, the confidence to think independently, and the values that anchor them in moments of change. The National Education Policy 2020 recognises this central truth. It places teachers at the heart of educational transformation and affirms that no reform can succeed without empowering those who guide our children every day.

Every achievement in science, art, business, or public life begins with a teacher who believed in a student's potential. That belief is what builds nations. Teachers give our young citizens the strength to dream beyond limitations and the discipline to turn those dreams into reality.

On this Teachers' Day, I extend my heartfelt congratulations to every teacher across India. Your dedication is building a future that is wiser, kinder, and stronger. The progress of our country rests on the foundations you lay in your classrooms, and for that, we remain deeply grateful.

(JAYANT CHAUDHARY)

MSDE-Room No. 201, 2nd Floor, Kaushal Bhawan, New Moti Bagh, New Delhi -110023 Phone : +91-11-26773201
E-mail : minister-msde@gov.in

जयन्त चौधरी
JAYANT CHAUDHARY

सत्यमेव जयते

कौशल विकास और उद्यमशीलता
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं
शिक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार
Minister of State (Independent Charge) for
Skill Development and Entrepreneurship
and Minister of State for Education
Government of India

संदेश

शिक्षक दिवस अपने साथ भारत के पूर्व राष्ट्रपति और आदर्श शिक्षक, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की विरासत को लेकर आता है, जिन्होंने हमें दिखाया कि शिक्षण सेवा के सर्वोच्च रूपों में से एक है। उनका विश्वास था कि शिक्षक समाज के चरित्र का निर्माण करते हैं, और यह दृढ़ विश्वास आज भी हर कक्षा में सत्य सिद्ध होता है।

वर्तमान युग में, जब ज्ञान का हर पल विस्तार होता जा रहा है और तकनीक हमें नई ऊँचाइयों पर ले जा रही है, ऐसे समय में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे केवल पाठ ही नहीं पढ़ाते बल्कि युवाओं को प्रश्न पूछने का साहस, स्वतंत्र रूप से चिंतन करने का आत्मविश्वास और परिवर्तनशील परिस्थितियों में स्थिरता प्रदान करने वाले मूल्यों का आधार भी प्रदान करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इस मूल सत्य को स्वीकार किया गया है। इस नीति में शिक्षकों को शैक्षिक रूपांतरण के केंद्र में रखा गया है और इस बात पर बल दिया गया है कि हमारे बच्चों का प्रतिदिन मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों को सशक्त बनाए बिना कोई भी सुधार सफल नहीं हो सकता।

विज्ञान, कला, व्यवसाय या लोक जीवन में हर उपलब्धि के मूल में वह शिक्षक होता है जो अपने विद्यार्थी की क्षमता पर विश्वास रखता है। यही वह विश्वास है जो राष्ट्र निर्माण की आधारशिला सिद्ध होता है। शिक्षक हमारे युवा नागरिकों को सीमाओं से परे स्वप्न देखने की प्रेरणा और उन्हें साकार करने का अनुशासन व संकल्प प्रदान करते हैं।

शिक्षक दिवस के इस अवसर पर, मैं संपूर्ण भारत के प्रत्येक शिक्षक को हार्दिक बधाई देता हूँ। आपके समर्पण से एक ऐसा भविष्य आकार ले रहा है जो अधिक प्रबुद्ध, अधिक उदार और अधिक सशक्त होगा। हमारे राष्ट्र की प्रगति की नींव आपके द्वारा अपनी कक्षाओं में रखी जाती है, और इसके लिए हम सदैव आपके प्रति कृतज्ञ हैं।

जयन्त चौधरी

(जयन्त चौधरी)

Office: Room No. 104-A, 'C' Wing, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001
Phone : +91-11-23384327, 23381302, E-mail: mosedu-jc@gov.in